ई–चौपाल
कृषि कुंभ (जुलाई 2023),
खण्ड 03 भाग 02, पृष्ठ संख्या 155

ई–चौपाल

प्रिया सिंह एवं डॉ0 रूपेश सिंह
चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रोद्योगिक विश्वविद्यालय,
कानपुर, उत्तर प्रदेश, भारत।
Email Id: pyup29@gmail.com

गांव के लोगो को देश दुनिया की जानकारी के साथ साथ कृषि की पूरी जानकारी इन्टरनेट के माध्यम से पहुंचाने को ई–चौपाल कहते है। आजादी के समय भारत बहुत पिछड़ा हुआ था ब्रिटिश सरकार की हुकूमत के बाद भारत सरकार ने अपनी नीतियों का प्रसार करना प्रारम्भ किया जिसके अर्न्तगत शहरीकरण के साथ– साथ ग्रामीण विकास पर भी ध्यान दिया गया। 1991 के बाद सरकार ने अपनी नीतियों में बड़ा बदलाव करते हुये कंप्यूटर ओर इंटरनेट को आम लोगो तक पहुचाने के लिये सरकार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जैसे कि सब जानते है कि भारत एक कृषि प्रधान देश है जिसकी लगभग 60 प्रतिशत जनसंख्या गांवो मे निवास करती है और गांवो मे चौपाल होना आम बात है। क्योंकि यहां सरकार द्वारा चलाई गयी योजनाओ को बताने के साथ साथ गांवो की सभी समस्याओं को बताया जाता है इसलिये गांव के लोगो को देश दुनिया की जानकारी के साथ साथ कृषि की पूरी जानकारी इंटरनेट के माध्यम से पहुंचाने को ई–चौपाल कहते है। दूसरे शब्दो में ई– चौपाल ग्रामीण किसानों के लिये इंटरनेट का उपयोग प्रदान करता है।

यह आई. ठी. सी. लिमिटेड द्वारा भारत आधारित व्यापार पहल है। जिसका उद्देश्य कृषि से संबन्धित वस्तुओ की गुणवत्ता और किसानो के जीवन की गुणवत्ता मे सुधार करने के लिये एक परिणाम के रूप में सूचित और उन्हें सशक्त करने के लिये है।

ई– चौपाल की आवश्यकता चौपाल मतलब चार लोगो का इकट्ठा होकर बातें करना हमारे देश मे चौपाल एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जहां पर गांव की सारी समस्याओ को हल किया जाता है। जिसका मुखिया गांव का प्रधान होता है। जो जनता द्वारा चुना जाता है। मगर समय बदल रहा है इस समय लोगो के पास इतना समय नही है कि वे गांव में चौपाल पर बैठे सभी लोग व्यस्त है अब हर कोई एकल जीवन जीना चाहता है गांव की समस्याये अब गांव की नही रही वह समस्या देश की समस्या हो गई है इसलिये इन समस्याओं को समाप्त करने के लिये सरकार ने इंटरनेट पर चौपाल का निर्माण किया जहां पर कोई भी व्यक्ति कृषि से संबन्धित तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का घर बैठे लाभ उठा सकता है।

ई–चौपाल के लाभः

चौपाल के लाभ प्राचीन समय मे ही थे। क्योंकि चौपाल एक संस्था थी जो अपने आप में लोगो को बांधे रखती थी जिसके कारण मुखिया द्वारा कही गई बात सभी लोगो को मान्य होती थी। जिसके कारण मुखिया द्वारा कही गयी बात सभी लोगो को मान्य होती थी तथा चौपाल मे बैठे सभी व्यक्ति एक दूसरे के प्रति अच्छा व्यवहार रखते थे। इसी प्रकार भारत देश मे चौपाल का बहुत बड़ा रोल था। क्योंकि यहा न केवल कृषि से संबन्धित बाते होती थी बल्कि गांव के विकास से संबन्धित बातें होती थी। वर्तमान समय मे सरकार ने ई–चौपाल बनाकर लोगो द्वारा इकट्ठा करने का प्रयास किया है ताकि वे अपनी समस्याओं को बता सकें तथा उन्हें हल कर सके।

ई–चौपाल का लक्ष्यः

1. किसानो को कृषि के अधुनिक तरीके सिखाना
2. हर गांव में इन्टरनेट की सुविधा प्रदान करना
3. किसानो की आय को बढ़ाना
4. कृषि से संबन्धित दस्तावेज इंटरनेट पर उपलब्ध कराना
5. किसानो को देश–दुनिया से जोड़ना
6. किसानो को कृषि से संबन्धित कानूनो को बताना

ई–चौपाल एक अच्छा प्लेटफार्म है जहां पर कृषि से संबन्धित जानकारियां प्राप्त होती है। मगर इन सबके बावजूद ई–चौपाल गांव में इतनी अच्छी तरह से विकसित नही हो पायी है ।